Round Square Technologies Ltd
Don't expect the obvious

Date: 17-Oct-2013

HeadLine : Baroda Pioneer Mutual Fund

Newspaper : Navbharat Times **Language :** Hindi

Journalist : Bureau **Edition :** Mumbai

Page No : 7 **Position :** Top **Height :** 10 **Column :** 3

'SME तो AMC के रेडार पर नहीं है'

बैंक ऑफ बड़ोदा का ब्रैंड ट्रस्ट व पायोनियर के बूते मिलने वाले ग्लोबल अनुभव को अपना सबसे मजबूत आधार बताने वाले बड़ौदा पायोनियर म्यूचुअल फंड के एमडी जयदीप का मानना है कि इंडस्ट्री को 'एनएवी' से हटकर 'लक्ष्य आधारित' निवेश की तरफ शिफ्ट होना होगा। वे 'एसएमई' को लेकर टेलर मेड सल्यूशन लाने की तैयारी में हैं और अपने ग्लोबल फंड ऑफ फंड की प्रक्रिया को जनवरी तक टाल देने के मूड में हैं। फोलियो की लगातार गिरती संख्या व निवेशकों की समस्याओं के बारे में सुधा श्रीमाली ने बात की जयदीप भट्टाचार्य से:

Interview of the WEEK

जयदीप भट्टाचार्य, एमडी, Baroda Pioneer MF

■ इंडस्ट्री लंबे समय से मुश्किल हालात में है। ऐसे में निवेशक का भरोसा कैसे बनाए रखा?

ब्रैंड ट्रस्ट हमारे इन्वेस्टर फंक्शन में बहुत आसानी से ट्रांसफर हो जाता है। बैंक आधारित डिस्ट्रिब्यूशन के चलते हमें निवेशकों की तीनों जरूरत जैसे- ट्रांजेक्शन, प्रॉटेक्शन व इन्वेस्टमेंट आदि को एक ही प्लैटफॉर्म पर मुहैया करवा देने की बात समझाना फायदा में रहा। इसके बाद मैंने एमएफ के कोर फंक्शन 'निवेश' पर फोकस किया। उसके लिए इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट व इन्वेस्टमेंट प्रदर्शन को मजबूत किया। एल्फा जेन के लिए व बेहतर क्रेडिट कॉल लेने के लिए फंड मैनेजर की योग्यताओं को बिल्ड किया। इससे निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ व एक साल में हमारी 77 से 203 सेंटर पॉइंट ऑफ सेल हो गए। जब इंडस्ट्री का एसआईपी नंबर नीचे जा रहा था तब हम 72,000 नई एसआईपी लेकर आए। पहले कार विद 2 इंजन थी और अब उसे 4 इंजन कर दिया है।

■ फंड में निवेश करते वक्त निवेशक 3,000 स्कीमों से रूबरू होता है और करीबन 250 डायवर्सिफाइड इक्विटी स्कीमों से। आखिर निवेश को सरल क्यों नहीं बनाया जाता?

हां, यह सही है कि फंड में मल्टिपल वेरिएबल है और उससे निबटने का अब सिर्फ एक ही तरीका है कि हम निवेशकों को लक्ष्य आधारित निवेश की तरफ ले जाएं और उन्हें सल्यूशन दें। अब जैसे एसएमई की जरूरतें हर कलस्टर में अलग-अलग हैं और इतने बड़े सेग्मेंट पर एएमसी का ध्यान ही नहीं है। इसलिए हम अब लोगों की जरूरत को फोकस कर टेलरमेड सल्यूशन देने पर अपना ध्यान लगा रहे हैं। लोगों की निवेश का यह विकल्प सहज व सुलभ लगे उसके लिए नया डिजिटल प्लैटफॉर्म भी लॉन्च किया है। छोटे-छोटे शहरों के लोगों की इक्विटी से मिलने वाले रिटर्न को लेकर जो आकांक्षा है उस पर ध्यान देना होगा।

■ लेकिन रेग्युलेटर्स द्वारा एंट्री लोड हटा दिए जाने के बाद तो सारा ध्यान इंडस्ट्री का मेट्रो पर हो चला है?

नहीं, ऐसा कतई नहीं है। हमारे पास फोलियो अकाउंट मेट्रो की बजाय नॉन मेट्रो से ज्यादा है। हां, उनका वैल्यू कम लेकिन वॉल्यूम ज्यादा है। लोग फंड के जरिए स्टॉक मार्केट में निवेश करना आकर्षक व सुरक्षित यही वजह है कि जहां इक्विटी में 2.35 करोड़ निवेशक हैं वहीं म्यूचुअल फंड में 4.28 करोड़ निवेशक हैं। उसमें से 3.65 करोड़ निवेशक अकेले इक्विटी से हैं। बस, जरूरत है रिटेलाइजेशन ऑफ डेट की दिशा को बदलना। क्योंकि आज के महंगाई के दौर में इक्विटी ही ऐसी असेट क्लास है जिसमें निवेश कर आप लक्ष्य पूरे कर सकते हैं। वे पीरियॉडिक बेसिस पर ही रिव्यू करें।

■ निवेशकों के लिए क्या सलाह है?

पूरे विश्व में भारत ऐसा देश है जहां फंड में निवेश सबसे सस्ता है। अभी वैल्यूशन अच्छा है और भारत का भविष्य भी। ऐसे में डायवर्सिफाई इक्विटी लार्ज कैप बेहतर ऑप्शन है और जरूरत के आधार पर डेट में निवेश।